उर्वरक उद्योगों में विद्युत की खपत

1564. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के उर्वरक उद्योगों में विद्युत की खपत अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है ;

(ख) यदि हां, तो इसका इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने इन उद्योगों में कुछ सुधार करने के लिए कोई कार्यवाही की है ताकि उनमें विद्युत की खपत कम की जा सके ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उसके परिणाम स्वरूप उर्वरकों की उत्पादन लागत में कितनी कमी हो जाने की संभावना है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) भारत के पास इस समय कोक, चूल्हा गैस, कोयला, ईंधन तेल एवं नेप्था जैसे प्रभारण भण्डार की प्रजातियां का प्रयोग करने वाली पुरानी प्रौद्योगिकी वाली उर्वरण संयंत्र (फर्टिलाइजर प्लांड्स) तथा प्राकृतिक गैस जैसे प्रभारण भण्डार का योग करने वाली नवीनतम प्रौद्योगिकी वाला गैस-आधारित उर्वरण संयंत्र में ऊर्जा खपत बिलकुल कम है एवं अन्य देशों के उसी प्रकार के संयंत्रों से वेतुलनीय है । ठठ रूप से इन संयंत्रों की ऊर्जा खपत 30-40 के डब्ल्यू एच प्रतिटन अमोनिया एवं 50-60 के डब्ल्यू एच प्रति टन यूरिया का है । कोयला एवं ईंधन तेल जैसे प्रभारण भण्डार का प्रयोग करने वाले कुछ संयंत्रों को ऐसे प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है जिनमें अधिक बिजली खपत होती है । अंतर्राष्ट्रीय स्थिति देखी जाये तो ऐसे संयंत्र बहुत कम हैं । बावजूद इसके इन संयंत्रों की बिजली खपत अन्य देशों के उसी प्रकार के संयंत्रों की बिजली खपत के तुलनीय है ।

नेप्था का प्रयोग करने वाले संयंत्र पुरानी एवं नई प्रौद्योगिकियों पर आधारित है । पुरानी प्रौद्योगिकी वाले संयंत्रों ऊर्जा की खपत अपेक्षाकृत अधिक 800-900 के० डब्ल्यू० एच० प्रतिटन अमोनिया के लिए जब कि एस० पी० आई० सी० एफकों फूलपुर जैसी प्रौद्योगिकी वाले संयंत्रों में ऊर्जा की खपत अत्यंत कम है प्रति एक टन यूरिया के लिए 60 के० डब्ल्यू० एच० के आस पास ।

(ग) और (घ) पुरानी पौद्योगिकी का प्रयोग करने वाले ट्राम्बे-1 अमोनिया नांगल-1 अमोनिया जैसे कुछ संयंत्र का आधुनिकीकरण किए जाने के लिए सरकार ने अपना अनुमोदन दे दिया है । इसके बिजली की खपत अत्यंत कम हो जाएगी। उसी प्रकार का आधुनिकीकरण का कार्यक्रम गोरखपुर स्थित एफ० सी० आई० संयंत्र एवं उद्योग मंडल स्थित एफ० ए० सी० टी० संयंत्र के लिए भी चलाने का विचार किया गया है । आधुनिकीकरण के बाद इन संयंत्र के बिजली की खपत में कमी की मात्रा लगभग निम्नवत होगी :

संयंत्र	बिजली खपत	
	आधुनिकीकरण के पहले	आधुनिकीकरण के बाद
ट्राम्बे-1-अमोनिया	प्रतिटन 1500 के० डब्ल्यू० एच०	प्रतिटन 800 के० डब्ल्यू० एच०
नांगल -1 अमोनिया	प्रतिटन 11,00 के० डब्ल्यू० एच०	प्रतिटन 800 के० डब्ल्यू० एच०
गोरखपुर यूरिया		30 प्रतिशत कमी
एफ० ए० सी० टी० अमोनिया	प्रतिटन 1400 के० डब्ल्यू० एच०	प्रतिटन 60 के० डब्ल्यू० एच०